रणजीत टाइम्स
इंदौर
गुरुवार, 2 अक्टूबर, 2025
वर्ष 01 | अंक 244 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने शक्ति पर्व में दिखाई अपनी शक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई, विद्युत उत्पादन करने का बना रिकार्ड

69 वर्ष के इतिहास में पहली बार 365 दिन लगातार किया यह कमाल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ऊर्जा उत्पादन में नई-नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। नवरात्रि के शक्ति पर्व में मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट यूनिट ने पूरे एक वर्ष 365 दिन निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन कर इतिहास रच दिया है।

मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के 69 वर्ष के कार्यकाल में ऐसी उपलब्धि हासिल करना अपने-आप में ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिये ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सभी वरिष्ठ अधिकारियों और अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं और कार्मिकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये बधाई दी है। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता, समर्पण व शक्ति ने आज वह कमाल कर दिखाया जिसकी कल्पना मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के बाद 69 वर्ष के इतिहास में नहीं की गई थी।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट ने जैसे ही सतत् विद्युत उत्पादन करते हुए गत रात्रिठीक 12 बजे प्रविष्ट हुई वैसे ही पूरी यूनिट के अभियंता व तकनीकी कार्मिक खुशी से झूम उठे। चचाई की इस यूनिट ने तत्कालीन मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल व मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल और मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 69 वर्ष के इतिहास में ऐसी प्रथम ताप विद्युत उत्पादन यूनिट होने का तमगा हासिल किया, जिसने लगातार व निर्बाध रूप से 365 दिन यानी कि एक वर्ष तक विद्युत उत्पादन किया है।

यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से लगातार विद्युत उत्पादन कर रही है। इस यूनिट के लगातार एक वर्ष तक निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन करने से यह धारणा भी खंडित हुई कि पॉवर जनरेटिंग कंपनी की ताप विद्युत यूनिट ऐसा शानदार प्रदर्शन नहीं कर सकती।

पुजारी रजत गोस्वामी जी ने बताया कि माता हरसिद्धि मंदिर उज्जैन में कल महाष्टमी का पर्व मनाया गया था रात्रि में नवमी लगने पर माता जी का हवन पूजन किया गया सुबह 4:00 बजे माता जी का पूजन अभिषेक कर पंचामृत कर्म किया गया , सुबह 4:00 बजे पट खोले गए और विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया आज रात 11:00 बजे माता की पूजन के पश्चात जवारे विसर्जन का पूजन किया जाएगा

नवरात्र की पूर्णता के साथ ही देशभर में विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। विजयादशमी का पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है। विजयादशमी पर्व है संकल्प का कि हम अपने अंतरतम में उपजी बुराइयों पर विजय प्राप्त कर सन्मार्ग पर अग्रसर हो सकें।

दशहरा शुभ मुहूर्त

दशहरा के दिन ब्रह्म मुहूर्त 04.38 ए एम से 05.26 ए एम तक है. उस दिन अभिजीत मुहूर्त दिन में 11 बजकर 46 मिनट से दोपहर 12 बजकर 34 मिनट तक है. दशहरा पर विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 9 मिनट से दोपहर 2 बजकर 56 मिनट तक है.

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा 2 अक्टूबर को

विजयादशमी (दशहरा) हमारा राष्ट्रीय पर्व है, जिसे सभी भारतीय बड़े हर्षोल्लास एवं गर्व के साथ मनाते हैं। आश्विन मास में नवरात्रि का समापन होने के दूसरे दिन यानी दशमी तिथि को मनाया जाने वाला दशहरे का यह पर्व बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन खास कर खरीददारी करना शुभ मानते है, जिसमें सोना, चांदी और वाहन की खरीदी बहुत ही महत्वपूर्ण है। दशहरे पर पूरे दिन भर ही मुहूर्त होते है इसलिए सारे बड़े काम आसानी से संपन्न किए जा सकते हैं। यह एक ऐसा मुहूर्त वाला दिन है जिस दिन बिना मुहूर्त देखे आप किसी भी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाए जाने वाला यह त्योहार विजयादशमी या दशहरे के नाम से प्रचलित है। यह त्योहार वर्षा ऋतु की समाप्ति का सूचक है। इन दिनों चौमासे में स्थगित कार्य फिर से शुरू किए जा सकते हैं। दशहरे के दिन भगवान श्रीराम की पूजा का दिन है। इस दिन घर के दरवाजों को फूलों की मालाओं से सजा दिया है। घर में रखें शस्त्र, वाहन आदि भी पूजा की जाती है। दशहरे का यह त्योहार बहुत ही पावनता के साथ संपन्न किया जाता है। उसके बाद रावण दहन मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना करने के बाद भगवान श्रीराम ने दशहरे के दिन ही लंकापति रावण का वध किया था। वैसे तो रावण बहुत परम ज्ञानी पंडित था, लेकिन अहंकार के चलते उन्होंने माता सीता का हरण किया और लंका ले गए और अशोक वाटिका में कैद करके रखने दुस्साहस किया था। जिसके परिणाम स्वरूप भगवान राम ने हनुमान जी की सहायता से राक्षसराज रावण पर काबू पाने में सफल हो गए थे। उन्होंने रावण को युद्ध में परास्त करके उन्हें मुक्ति देने का महान कार्य करके दशमी के दिन को पावन कर दिया। श्रीराम ने रावण के अहंकार को चूर-चूर करके दुनिया के लिए भी एक बहुत मूल्यवान शिक्षा प्रदान की, जिसकी हम सभी को रोजमर्रा के जीवन में बहुत जरूरी है। श्रीराम की यही सीख मानवीय जीवन में बहुउपयोगी सिद्ध होगी। हमें भी अपने जीवन में अहंकार, लोभ, लालच और अत्याचारी वृत्तियों को त्याग कर क्षमारूपी बनकर जीवन जीना चाहिए। भगवान श्रीराम की यह सीख बहुत ही सच्ची और हमें मोक्ष प्राप्ति की ओर ले जाने वाली है। जानिए दशहरे की कुछ खास बातें -

- भगवान राम-सीता और हनुमान की पूजा-अर्चना की जाती है।
- विजयादशमी पर शमी वृक्ष का पूजन किया जाता है।

- रावण रचित शिव तांडव स्तोत्र से भगवान शिव की आराधना की जाती है।
- इस दिन करोड़ों रुपए की फूलों की बिक्री होती है और लोग अपने घर के दरवाजों फूलों की मालाओं से सजाकर उत्सव मनाते है।
- इस दिन लोग अपनी-अपनी क्षमतानुसार सोना-चांदी, वाहन, कपड़े तथा बर्तनों की खरीददारी करते हैं।
- इस दिन देश भर में रावण के पुतले बनाकर जगह-जगह जलाएं जाते हैं।
- दशहरे के दिन शहर-कस्बों और गांवों में श्रीराम-सीता स्वयंवर प्रसंग, रामभक्त हनुमान का लंका दहन कार्यक्रम, रामलीला का बखान करते हुए राम-रावण युद्ध के साथ रावण दहन किया जाता है।
- इस दिन खास तौर पर गिलकी के पकौड़े और गुलगुले (मीठे पकौड़े) बनाने का प्रचलन है।
- रावण दहन के बाद एक-दूसरे के घर जाकर, गले मिलकर, चरण छू कर बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है और साथ ही शमी पत्तों को एक-दूसरे को बांटा जाता है। ऐसा यह पावन त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

दशहरा के दिन भूलकर भी न करें इन चीजों का दान, मिल सकते हैं अशुभ परिणाम

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा हर साल आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन विजयदशमी यानी कि दशहरा मनाई जाती है। दशहरा का मुख्य कारण भगवान राम द्वारा रावण का वध करना है। रामचरितमानस के अनुसार, भगवान राम ने रावण को मारकर राक्षसों का अंत किया था। दशहरा के दिन शस्त्रों की पूजा करने का भी रिवाज है। यह माना जाता है कि शस्त्रों की पूजा करने से बुरी शक्तियों का नाश होता है। दशहरा नवरात्रि के दसवें और अंतिम दिन मनाया जाता है। नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दशहरा के दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। यह रावण के अहंकार और बुराई पर जीत का प्रतीक है। इतना ही नहीं, दशहरा के दिन सैनिक और पुलिसकर्मी अपने शस्त्रों की पूजा करते हैं।

दशहरा के दिन न करें चमड़े के चीजों का दान

हिंदू धर्म में पशुओं को पवित्र माना जाता है। चमड़ा पशुओं की खाल से बनता है, इसलिए इसे दान करना पशुओं के प्रति सम्मान नहीं दिखाना माना जाता है। दशहरा को शुद्धता और पवित्रता का पर्व माना जाता है। चमड़ा अशुद्ध माना जाता है, इसलिए इसे दान करना शुद्धता के विरुद्ध माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, चमड़े की चीजों का दान करने से अशुभ फल मिलते हैं।

दशहरा के दिन न करें धारदार चीजों का दान

ऐसी मान्यता है कि धारदार चीजें दान करने से घर में कलह, तनाव और असहमति पैदा होती है। यह माना जाता है कि ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और परिवार के सदस्यों के बीच संबंधों को खराब कर सकती है। धारदार चीजें दान करने से घर में धन की हानि होती है। माना जाता है कि ये चीजें लक्ष्मी माता को नाराज करती हैं और घर से धन भाग जाता है। धारदार चीजें अशुभ शकुन मानी जाती हैं। इन्हें दान करना या लेना अशुभ माना जाता है और इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

दशहरा के दिन न करें हल्दी का दान

हल्दी को गुरु ग्रह से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि शाम के समय हल्दी दान करने से गुरु ग्रह कमजोर होता है, जिसका असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ सकता है। शाम के समय हल्दी दान करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और घर में क्लेश हो सकता है। हल्दी को शुभ माना जाता है, लेकिन शाम के समय इसे दान करना अशुभ शकुन माना जाता है।

कब है दशहरा? यहां जानें सही तिथि शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरा यानी विजयादशमी मनाई जाती है। यह त्योहार असत्य पर सत्य और पाप पर पुण्य की जीत के रूप में मनाया जाता है। इस दिन श्री राम ने रावण का वध करके बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया था। विजयादशमी के दिन ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन शमी और अपराजिता की भी पूजा की जाती है। दशहरा के दिन मां दुर्गा की मूर्ति और कलश के विसर्जन के साथ रावण के पुतले का भी दहन होता है। धार्मिक मान्यता है कि विजयादशमी के दिन नीलकंठ नामक पक्षी का दर्शन करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा के दिन भगवान श्री राम, मां दुर्गा और गणपति बप्पा के साथ ही हनुमान जी की भी पूजा करना बहुत ही शुभ माना गया है। इस बार दशहरा की तिथि को लेकर थोड़ी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इसी क्रम में आइए जानते हैं विजयादशमी की सही तिथि और शुभ मुहूर्त।

कब है दशहरा

दशहरा के लिए आवश्यक आश्विन शुक्ल दशमी तिथि का शुभारंभ 1 अक्टूबर को शाम को 7 बजकर 1 मिनट से होने वाला है. दशमी तिथि का समापन 2 अक्टूबर को शाम 7 बजकर 10 मिनट पर होगा. उदयातिथि के आधार पर दशहरा 2 अक्टूबर को है.

रवि योग में है दशहरा

इस साल दशहरा के दिन रवि योग बन रहा है. रवि योग पूरे दिन बना रहेगा. रवि योग में सूर्य का प्रभाव अधिक होता है. सूर्य के प्रभाव से सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं. रवि योग के अलावा दशहरा पर सुकर्मा योग और धृति योग बनेंगे. उस दिन सुकर्मा योग प्रात-काल से शुरू होकर रात 11 बजकर 29 मिनट तक रहेगा. उसके बाद से धृति योग होगा. सुकर्मा और रवि योग दोनों ही शुभ फलदायी है. इसमें आप कोई भी मांगलिक कार्य कर सकते हैं. दशहरा पर उत्तराषाढा नक्षत्र प्रात-काल से लेकर सुबह 9 बजकर 13 मिनट तक है. उसके बाद से श्रवण नक्षत्र है, जो पूर्ण रात्रि तक है.

विजयादशमी पूजा विधि

- दशहरा की पूजा दोपहर के समय करना शुभ रहता है।
- घर के ईशान कोण में 8 कमल की पंखुड़ियों से अष्टदल चक्र बनाएं।
- इसके बाद अष्टदल के बीच में अपराजिताय नमः मंत्र का जप करें और मां दुर्गा के साथ भगवान राम की पूजा करें।
- अब रोली, अक्षत, फूल आदि पूजा की सामग्री अर्पित करें और भोग लगाएं।
- माता की आरती भी करें और जयकारे भी लगाएं।
- कुछ जगहों पर गाय के गोबर से 9 गोले व 2 कटोरियां बनाई जाती हैं।
- इन कटोरियों में से एक में सिक्के और दूसरी रोली, चावल, जौ व फल रख दें।
- इसके बाद प्रतिमा पर जौ, केले, मूली और गुड़ आदि अर्पित कर दें।
- अगर बहीखाते या शस्त्रों की पूजा कर रहे है तो पूजा स्थल पर इन चीजों को भी रख दें और इन पर भी रोली व अक्षत लगाएं।
- यथाशक्ति अनुसार दान-दक्षिणा दें और गरीबों व अवश्य को भोजन अवश्य कराएं।
- शाम के समय रावण दहन हो जाए तो शमी की पत्तियां अपने परिजनों को दे दें।
- अंत में सभी घर के बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

साईं भक्त संजय सिंह राजावत (भूपेंद्र) का दुखद निधन,राजावत परिवार का बड़ा फैसला तेरहवीं पर होगा विशाल भंडारा

हाटपीपल्या। नगर के वार्ड क्रमांक 10 निवासी वरिष्ठ समाजसेवी राजपूत समाज के नारायण सिंह राजावत के के मझले सुपुत्र पूर्व पार्षद शैलेन्द्र सिंह राजावत के छोटे भाई वर्तमान वार्ड क्रमांक 10 पार्षद प्रतिनिधि अजीत सिंह राजावत के बड़े भाई पियूष राजावत के पूजनीय पिताजी एवं प्रिंस राजावत के बड़े पापा साईं बाबा के परम भक्त संजय सिंह राजावत का अल्प आयु में आकस्मिक दुखद निधन हो गया है। जिनकी अंतिम शवयात्रा निज निवास राजावत चौराहा से निकाली गई। अंतिम यात्रा में हजारो की संख्या में समाजजन सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के साथ ही भाजपा व कांग्रेस के नेता .कार्यकर्ता ग्रामीणों ने सम्मिलित होकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्थानीय पार्षद ने प्रतिमा लगाने की बात कही दिवंगत राजावत की प्रतिमा

लगाने कि मांग

वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद प्रतिनिधि भूजराम जाट ने वार्ड क्रमांक 10 में दिवंगत संजय सिंह राजावत की प्रतिमा लगाने का प्रस्तावित रखा जिसका समर्थन कांग्रेस के पार्षदों एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण राठोर द्वारा किया गया । नगर व क्षेत्र में शिर्डी के साई बाबा की अलख जागने वाले सभी बेसहारा गरीब मजबूर दीन दुखियों की मदद करने वाले भूपेंद्र उर्फ़ संजय सिंह राजावत का यूं चले जाना नगर व क्षेत्र के लिए क्षति है। विशाल चल समारोह एवं विशाल भंडारे का सफल आयोजन प्रति गुरुवार को सांई बाबा की आरती एवं महाप्रसाद का वितरण व प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा पर विशाल चल समारोह एवं विशाल भंडारे का सफल आयोजन प्रतिवर्ष संजय सिंह राजावत द्वारा नगर में किया जाता रहा है।

साईं भक्त का साई के प्रिय दिन गुरुवार को हुआ निधन

साई बाबा के परम भक्त संजय सिंह राजावत ने गुरुवार को अंतिम सांस ली बताया जाता है गुरुवार साई बाबा का दिन है इसी दिन गुरुवार को संजय सिंह राजावत ने अंतिम सांस ली वह अपने प्राण त्यागे। धार्मिक प्रवृत्ति के सामाजिक कार्यकर्ता संजय सिंह राजावत का आकस्मिक दुखद निधन पर बड़ी संख्या में परिजनों सहित ईस्ट मित्रों ने अंतिम यात्रा में भाग लिया। सभी को साई राम कहकर संबोधन करने वाले संजय सिंह राजावत का यू चले जना नगर व क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी छती है दिवंगत आत्मा को दी गई श्रद्धांजलि इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता ठाकुर राजवीर राजेन्द्र सिंह बघेल , विधायक मनोज चौधरी पूर्व मंत्री दीपक जोशी बलराम चौधरी राघवेंद्र सिंह बघेल संजू फोबिया लीलाधर टॉक सोनकच्छ पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण राठौर पार्षद जन परिषद चैप्टर हाटपीपल्या के अध्यक्ष संजय प्रेम जोशी प्रतिनिधि भूजराम जाट पार्षद प्रतिनिधि राजेश तंवर पार्षद महेंद्र यादव पार्षद प्रतिनिधि बंसी तंवर पार्षद प्रतिनिधि राज किशोर जायसवाल पार्षद दीपक धोसरिया पार्षद पिंटू जमोडीया पार्षद प्रतिनिधि हारून मंसूरी एडवोकेट पिंकेश गामी महेश अडेरीया अनिल धोसरिया गंगाराम धोसरिया जितेंद्र सोठीया दीपू गोलियां बंटी कांठेड़ नीरज कासलीवाल कासम अली बागली एवं सैकड़ो साई बाबा के भक्त इस अवसर को उपस्थित थे।

एडवोकेट प्रतिभा वलिया जी और उनकी टीम ने किया मानवता नगर सर्वसम्पन नगर में निःशुल्क गरबा आयोजन

नवरात्रि के पावन अवसर पर आज प्रतिभा वलिया जी और उनकी टीम द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। विशेष बात यह रही कि यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया। जहाँ पूर्व में गरबा आयोजनों में शुल्क लिया जाता था, वहीं इस बार समाजसेवा की भावना के साथ प्रतिभा वलिया जी और उनकी टीम ने सभी को निशुल्क भागीदारी का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही गरबा में शामिल हुई बालिकाओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस सराहनीय पहल से समाज में उत्साह और सकारात्मक संदेश का प्रसार हुआ।

स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभा वलिया जी , सरस्वती गावड़े ,सत्येंद्रसिंह प्रतिश दस संतोष गामांड प्रभा चौहान सत्येंद्र हर्षवाल और उनकी पूरी टीम ने समाज सेवा व संस्कृति संरक्षण की एक अनोखी मिसाल पेश की है।

1950 से निकला था हाटपिपलिया में संघ का पथ संचलन मुस्लिम समाज के तालिब हुसैन भी थे संघ के स्वयं सेवक

संजय प्रेम जोशी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ वर्तमान में अपने गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने पर बड़े आयोजन और पथ संचलन परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। हॉट पिपलिया के तीसरी पीढ़ी के स्वयंसेवक संजय प्रेम जोशी ने बताया कि 1948 में देश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भाजपा नेता कैलाश जोशी संघ शाखा से जुड़ चुके थे उस वक्त हॉट पिपलिया में संघ से जुड़ना बड़ी चुनौती था।

कांग्रेस कार्यकर्ता उन पर निगाह रखते थे फिर भी बस्तीराम तंवर प्रेम कुमार जोशी दयाराम कसेरा खेमचंद तंवर राजमल मेहता के साथ-साथ मुस्लिम युवक तालिब हुसैन यशवंत सिंह पटेल रामेश्वर पार्टनी संतोष सोनी छोटेलाल रघुवंशी भेरुलाल जी गरौतिया दौलत तंवर आदि लोगों ने हॉट पिपलिया की गलियों से पहली बार कदमताल करते हुए पथ संचलन निकाला यही लोग हमेशा कांग्रेस के निशाने पर भी रहते थे। लेकिन इन्होंने कभी भी समझौता नहीं किया संघ के बड़े पदाधिकारी आसपास के छोटे गांव में भी शाखा लगाने के

लिए प्रयास करते तब इन्हीं लोगों में से किसी को ले जाकर वहां स्थानीय लोगों को संघ के सिद्धांतों के विषय में समझाते इस प्रकार बागली में भी संघ की अच्छी खासी पकड़ हो चुकी थी। हालांकि आजादी पूर्व 1944 में यहां पर संघ का कामकाज शुरू हो गया था स्वर्गीय मानक लाल जी बडोला के बाद दिनकर राव मुंगी बाबूलाल जी गुप्ता कांतिलाल जी चौधरी प्रहलाद नटेरिया कमलापुर के मांगीलाल टेलर मानसिंह दरबार आदि लोगों ने यहां पर संघ शाखा लगाना शुरू किया आजादी के 4वर्ष बाद 1951मे बागली में एक शिविर का आयोजन भी हुआ जिसमें आसपास के 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने शामिल होकर शिविर को सफल बनाया उस वक्त बागली राज परिवार भी स्वयं सेवको की भरपूर मदद करता रहा कुछ महत्वपूर्ण बैठक राज भवन परिसर में भी हुई। समय आगे बढ़ता गया और दूसरी पीढ़ी इस काम को संभालने लगी बाल सखा और किशोर शाखा समय-समय पर लगने लगी बाल सखा पुराने तहसील भवन के सामने और किशोर शाखा वर्तमान स्थानक भवन में शुरू हो गई। आपातकाल की स्थिति में स्वयंसेवकों पर विशेष निगाह रखी गई और घर पकड़ में उन्हीं के नाम आए।

नांद्रा गांव में भव्य चुनरी यात्रा, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

दरबार सिंह ठाकुर
मो,8754876460

देपालपुर तहसील के ग्राम नांद्रा में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब पूरे गांव में भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर महिलाओं और पुरुषों ने बड़े उत्साह व श्रद्धा के साथ भागीदारी निभाई। ढोल-ताशे, बैंड और डीजे की धुन पर निकली यह यात्रा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पूरे गांव में गूंजती रही।

यात्रा उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नांद्रा ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने भी प्रसादी का लाभ उठाया। कार्यक्रम में गुलाब नेता, हुकुम पटेल, नरेंद्र पटेल, राहुल पटेल, बाहदुर सरपंच, प्रभु पटेल, सुनेर सिंह चौहान, जीवन चौहान, कल्याण तंवर, पवन पटेल, सचिन राठौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

गंगाजल खेड़ी में बजरंग दल का भव्य शस्त्र पूजन

ग्रामीणों ने लिया धर्मरक्षा और देशभक्ति का संकल्प

देपालपुर। गंगाजल खेड़ी गांव में मंगलवार को बजरंग दल द्वारा शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों ग्रामीण उत्साह और श्रद्धा के साथ शामिल हुए। सभी ने परंपरा अनुसार अपने-अपने शस्त्रों का पूजन कर धर्म और मातृभूमि की रक्षा का संकल्प लिया।

पूजन के दौरान जयकारों से वातावरण गूंज उठा और पूरा गांव भक्ति एवं वीरता के रंग में रंग गया। ग्रामीणों ने इसे सामाजिक एकता और संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन बताया।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कहा कि » "शस्त्र केवल आत्मरक्षा का साधन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक हैं। यह हमें हमेशा सत्य, धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं।"

शमशान की जमीन पर किया जा रहा है अतिक्रमण नहीं हो रही सुनवाई!

पार्षद पति सुभाष सुनेर

तहसीलदार नारायण नांदेडा

खुशबू श्रीवास्तव

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर के गांधीनगर क्षेत्र में सरकारी शमशान की जमीन पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर बनाई दुकान इस बात की जानकारी जब पार्षद को लगी तो पार्षद ने तुरंत ही पूरा मामला

श्रीमती ममता सुभाष सुनेर
पार्षद, वार्ड क्र. 15
नगर पालिक निगम, इन्दौर

दिनांक 15-5-25

क्रमांक 213

प्रति,
आयुक्त महोदय जी,
नगर पालिका निगम, इंदौर

विषय— गोमटगिरी गांधीनगर श्मसान की शासकीय भूमि पर असामाजिक तत्वों द्वारा कब्जा करने बाबद्।

उपरोक्त विषयान्तर्गत ज़ोन क्र. 16, वार्ड क्र. 15 के अंतर्गत गोमटगिरी गांधीनगर श्मसान की शासकीय भूमि पर असामाजिक तत्वों द्वारा पूर्व में पंचायत के 15 वर्ष पुराने फर्जी दस्तावेज दिखा कर कब्जा किया जा रहा है। फर्जी लोगों द्वारा जो कब्जा किया जा रहा है। उन्हें हटाने हेतु संबंधित अधिकारी को आदेशित करना सुनिश्चित करें।

ममता
श्रीमती ममता सुभाष सुनेर
पार्षद वार्ड क्र. 15
नगर पालिक निगम, इंदौर

संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर कमिश्नर निगम आयुक्त को कराया होगा विगत पांच पूर्व से कब्जे पर कब्जा होता चला जा रहा है! आज पार्षद पति सुभाष सुनरे से इस विषय में जब चर्चा की तो सुनेर ने बताया कि मैं विगत 5 वर्ष पहले ही शमशान की जमीन पर कब्जा होने की शिकायत दर्ज कराई थी पर अब यह हाल है! कि एस डी एम और तहसीलदार नहीं कर रहे कोई कार्रवाई नहीं उठा रहे हैं फोन सुनेर ने सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि मैं क्षेत्रीय जन प्रति निधि होते हुए भी अधिकारियों के सामने ऐसा महसूस कर रहा हूं कि जैसे इन सब अधिकारियों ने भूमाफियाओं से मिलकर पूरी जमीन पर कब्जा करवा दिया है और मोटा लेनदेन कर लिया है जब मल्हारगंज तहसील के तहसीलदार से मिले तो उन्होंने सारा मामला बताया तहसीलदार नारायण का कहना है!कि 7 से 8 दिन में अवैध दुकान हटा दी जाएगी हमने पूर्व में भी इस विषय में पार्षद को अवगत कराया था लेकिन पार्षद ने हमारी ओर ध्यान नहीं दिया और अब आरोप लग रहे!

माँ. सिद्धिदात्री माता मंदिर, मुराई मोहल्ला छावनी, इंदौर में नौ दिन की माँ की आरधना

राजेश धाकड़

इंदौर, छावनी क्षेत्र के मुराई मोहल्ला स्थित मा. सिद्धिदात्री माता मंदिर में इस वर्ष नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक,कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन समिति में पं॰ अमित शर्मा, अमोघ शर्मा, महेंद्र देशमुख, राजेश अग्रवाल, पुलकित शर्मा, लोकेश मोदी, देव शर्मा तथा चंद्रशेखर शर्मा की सक्रिय भागीदारी रही। नौ रातों तक छोटी-छोटी बालिकाएँ देवी के स्वरूप स्वरूप मानी गईं गरबा नृत्य प्रस्तुत करती रहीं।,गणेश वंदनाः प्रथम दिवस पर गणेश वंदना होती रही, जिसमें श्रद्धालुओं ने माँ सिद्धिदात्री की उपासना के प्रारंभ में भगवान गणेश का आह्वान किया,कृष्ण लीला एवं पुतना वधः मध्य रात्रि कार्यक्रम में कृष्ण लीला की झाँकी के रूप में पुतना वध का दृश्य प्रस्तुत किया गया,नौ माता वंदनाः प्रत्येक रात्रि को देवी के नौ स्वरूपों की वंदना एवं स्तुति-हिम गूँजी।

महानवमी पर हवन एवं कन्यापूजनः नौवीं तिथि को विशेष हवन आयोजित किया गया और दिन के आरंभ में कन्याओं का पूजन किया गया। आयोजन समिति ने प्रत्येक कन्या को देवी समान मानकर चरण स्पर्श, तिलक, पुष्प-माला एवं प्रसाद अर्पित किया।,इस प्रकार यह आयोजन न केवल धार्मिक भक्ति का केंद्र रहा, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का उत्सव भी बन गया। उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों ने इस आस्था से आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की और भविष्य में इसे और भी विस्तारित करने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के आवेदन 31 अक्टूबर तक आमंत्रित

इंदौर दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिये मुख्यमंत्री दिव्यांकग शिक्षा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। इसमें मध्यप्रदेश के मूलनिवासी दिव्यांगजन, जिनमें अस्थिबाधित द्वारा गत परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक तथा अन्य श्रेणी में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है उनसे वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये है। विद्यार्थी अपना आवेदन 31 अक्टूबर तक स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। आवेदन पत्रों की जांच 15 नवम्बर तक होगी और अंतिम सूची का प्रकाशन 30 नवम्बर तक किया जाएगा। स्वीकृत आवेदन पत्रों में पात्रतानुसार छात्रों को लैपटॉप अथवा मोट्रेट ट्राइसाइकल, विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर 2025 को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वितरित की जायेगी। आयुक्त सामाजिक न्याय ने बताया की स्पर्श पोर्टल ओपन कर दिया गया है। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने जिले से अधिक से अधिक पात्र दिव्यां ग छात्र/छात्राओं को योजना हेतु आवेदन करने के लिये प्रोत्साअहित करें एवं जिला अधिकारी आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण करना सुनिश्चित करें।

मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी

पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया। मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम रॉबिंसन (नाबाद 106) रनों की आतिशी शतकीय पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 181 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया।

पारी की शुरुआत में न्यूजीलैंड की टीम एक समय छह रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में आई थी। बेन ड्वारश्यिस ने डेवन कॉन्वे (एक) और मार्च चैपमैन (शून्य) के विकेट झटके। जॉश हेजलवुड ने टिम सीफर्ट (चार) को आउट किया। ऐसे संकट के समय डैरिल मिचेल ने टिम रॉबिंसन के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 11वें ओवर में मैथ्यू शॉर्ट ने डैरिल मिचेल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मिचेल ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रनों की पारी खेली। बेवन जैकब्स (20) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (सात) रन आउट हुए। टिम रॉबिंसन ने 66 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए नाबाद 106 रन बनाए।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3-16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झाओ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरकार, लोहे की गेंद को

उठाने के लिए लंबे इंतज़ार के बाद, 35 वर्षीय स्विरिडोव ने उसे काफी दूर तक फेंका। उन्होंने साँस रोककर - और अपने हाथों को सिर के पीछे बाँधकर - माप आने का इंतज़ार किया। जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने 17.01 मीटर की दूरी तय कर ली है, तो उन्होंने राहत की सांस ली। ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ने आगे बढ़कर स्विरिडोव को गले लगाया और उनकी सराहना की। 2023 और 2024 में स्विरिडोव की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले गुएनिची, रूसी मूल के इस एथलीट की वैश्विक प्रतियोगिताओं में पकड़ ढीली करना चाहते थे। उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने स्विरिडोव के अदम्य साहस की सराहना करने में सहजता दिखाई।

वैभव सूर्यवंशी का धमाकेदार प्रदर्शन जारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया चौथा सबसे तेज शतक

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरीं। 14 साल की उम्र में ही वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहे हैं। इयान हीली ओवल में खेले जा रहे यूथ टेस्ट में सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सिर्फ 78 गेंदों पर शतक ठोकते हुए इतिहास का चौथा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक जड़ दिया।

वनडे में भी बरपाया तूफान - सिर्फ टेस्ट ही नहीं, सूर्यवंशी ने हाल ही में वनडे में भी तहलका मचाया है। पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 68 गेंदों पर 70 रन बनाते हुए यूथ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा करियर छक्कों का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने पूर्व भारतीय अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद का 38 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा और मात्र 10 पारियों में 41 छक्कों तक पहुंच गए।

- **सबसे तेज यूथ वनडे शतक का भी रिकॉर्ड** - इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ चौथे यूथ वनडे में सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए। उस पारी में उन्होंने केवल 52 गेंदों पर शतक जड़ा, जिससे वह अंडर-19 वनडे में सबसे तेज़ शतकवीर और सबसे कम उम्र के शतकवीर बन गए।
- **आईपीएल में भी दिखा चुके हैं जलवा** - वैभव सूर्यवंशी सिर्फ अंडर-19 स्तर तक ही सीमित नहीं हैं। 14 साल और 23 दिन की उम्र में उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया और सबको चौंका दिया।
- **ब्रेंडन मैकुलम के बाद अनोखा कारनामा** - वैभव सूर्यवंशी अब इतिहास के केवल दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने अंडर-19 टेस्ट क्रिकेट में 100 से कम गेंदों पर दो शतक लगाए हैं। उनसे पहले यह कारनामा न्यूज़ीलैंड के दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम ने किया था। सूर्यवंशी ने पिछले साल चेन्नई में भी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक लगाया था, जो मोईन अली के बाद दूसरा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक माना जाता है।
- **धमाकेदार पारी, ताबड़तोड़ स्ट्रोक्स** - बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बुधवार को 86 गेंदों में आठ छक्के और नौ चौकों की मदद से 113 रन बनाए। हालांकि, हेडन शिलर ने उन्हें आउट कर दिया, लेकिन तब तक वह मैच के नायक बन चुके थे। भारतीय पारी में वेदांत त्रिवेदी ने भी गजब का योगदान दिया। उन्होंने 192 गेंदों पर 140 रन बनाकर पारी को मजबूती दी।

तमीम इकबाल ने बीसीबी चुनावों से वापस लिया नामांकन

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने छह अक्टूबर को होने वाले बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव से अपनी बुधवार को उम्मेदवारी वापस ले ली है। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने आज औपचारिक रूप से अपना नामांकन पत्र वापस लेने के लिए बीसीबी मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप जानते हैं कि आज हमने अपना नामांकन वापस ले लिया है। मुझे मिलाकर हममें से लगभग 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इस वापसी का कारण सभी को पता है मुझे नहीं लगता कि आपको कोई विवरण या स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है। तमीम ने शुरुआत में बीसीबी चुनाव में निदेशक पद के लिए चुनाव लड़ने में रुचि दिखाई थी, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। नामांकन दाखिल करने के बाद, उन्होंने खुले तौर पर इस प्रक्रिया में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं शुरू से ही एक बात कहता रहा हूं और अब आप सभी इस बारे में स्पष्ट हैं... यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है या इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो भी किसी भी समय सही लगता है, जो भी वे करना चाहते हैं, किया जा रहा है।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ — सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फ़ॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

यमुना की गहराइयों का राज खोलेगी दिल्ली सरकार

बाढ़ से निपटने की अनोखी पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली यमुना नदी को और बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने कमर कस ली है। मंगलवार को सीनियर अधिकारियों ने बताया कि सरकार पल्ला (दिल्ली-हरियाणा सीमा) से जैतपुर (दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा) तक यमुना के 48 किलोमीटर के दायरे में एक विस्तृत टोपोग्राफिक और बैथिमेट्रिक सर्वे कराएगी। यह सर्वे नदी की गहराइयों को नापेगा, रुकावटों को चिह्नित करेगा और बाढ़ के खतरे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही, नजफगढ़ और सप्लीमेंट्री ड्रेन में भी इसी तरह के सर्वे होंगे। टोपोग्राफिक सर्वे में नदी के दोनों किनारों के 100 मीटर के दायरे में हर छोटी-बड़ी चीज को मैप किया जाएगा। इसमें तटबंध, घाट, नाले, द्वीप और यहां तक कि अतिक्रमण भी शामिल होंगे। यह सर्वे नदी के आसपास की पूरी भौगोलिक तस्वीर पेश करेगा। एक सीनियर अधिकारी ने बताया, हम यमुना को और बेहतर बनाना चाहते हैं। यह सर्वे हमें नदी की सेहत को समझने और भविष्य में रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और नेविगेशन प्रोजेक्ट्स की दिशा में काम करने में मदद करेगा।

यमुना की गहराइयों में छिपे रहस्यों का खुलासा

यमुना नदी के तल को समझने के लिए दिल्ली सरकार अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा ले रही है। बैथिमेट्रिक सर्वे में सोनार और इको साउंडर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल होगा, जो नदी के तल की गहराई और संरचना को मैप करेंगे। यह सर्वे हर 250 मीटर पर नदी के क्रॉस-सेक्शन को रिकॉर्ड करेगा, ताकि यह पता चल सके कि कहीं रेत, मिट्टी या कचरा तो नहीं जमा है, जो बाढ़ का कारण बन सकता है।

हाई-टेक तकनीक से होगा काम

इस सर्वे में मोटरबोट्स पर लगे इलेक्ट्रॉनिक टोटल स्टेशन मशीनें, सिंगल और मल्टी-बीम सोनार, त्वक्र- और मोशन सेंसर जैसे उपकरण इस्तेमाल होंगे। इनसे मिले डेटा को विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए प्रोसेस करके एक डिजिटल सरफेस मैप तैयार किया जाएगा। छोटी-बड़ी जानकारी को सामने लाएगा, जिससे बाढ़ नियंत्रण और नदी के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

गाली और हाथापाई; दिल्ली के नरेला में डिलीवरी बॉय से बदसलूकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नरेला में एक जोमोटो डिलीवरी बॉय के साथ बदसलूकी की घटना सामने आई है। नशे की हालत में दो व्यक्तियों ने न सिर्फ ऑनलाइन काना मंगाया बल्कि ऑर्डर आ जाने पर डिलीवरी बॉय को भद्दी-भद्दी गालियां दीं और बिना पैसे दिए खाना भी छीन लिया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के अनुसार, 29 सितंबर, 2025 को पुलिस स्टेशन नरेला में एएसआई देशपाल को एक सूचना दी गई थी। जोमोटो डिलीवरी बॉय अर्जुन ने फोन करके बताया कि नशे की हालत में दो व्यक्तियों ने खाना ऑर्डर किया और जब वह खाना देने गया, तो उन्होंने बिना पैसे दिए जबरदस्ती ऑर्डर छीन लिया। उन्होंने उसे गाली भी दी। शिकायत के बाद एएसआई देशपाल और कांस्टेबल रविश तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर डिलीवरी बॉय अर्जुन ने आरोप लगाया कि उन व्यक्तियों ने उसके साथ हाथापाई भी की। आरोपी की पहचान ऋषि कुमार के रूप में हुई और उसे नशे की हालत में पाया गया। पूछताछ करने पर उसने पुलिस अधिकारियों को भी गाली देना शुरू कर दिया। जब उसने पुलिसकर्मियों का विरोध किया, तो उसे जबरदस्ती कमरे से बाहर निकाला गया और तुरंत मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। एमएलसी तुरंत की गई, जिसमें ऋषि कुमार के शराब पीने की पुष्टि हुई। चूंकि डिलीवरी बॉय को आगे अपने काम पर जाना था, इसलिए उसने उस समय कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।

जाम से मिलेगी राहत, दिल्ली में बनने जा रहा बड़ा फ्लाई ओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के यात्रियों के लिए खुशखबरी सामने आई है। दिल्ली के कश्मीरी गेट अंतर्राज्यीय बस अड्डा पर रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलने वाली है। सरकार ने निगमबोध घाट को मजनू के टीला से जोड़ने वाली सड़क पर एक नया फ्लाईओवर बनाने का फैसला किया है। इसको लेकर प्रयास भी शुरू हो गए हैं। इस फ्लाईओवर के बन जाने के बाद राजघाट से लेकर मजनू का टीला तक की रोड रेड लाइट फ्री जोन बन सकती है।फिलहाल आईएसबीटी के आसपास काफी लंबा जाम लगा रहता है। ट्रैफिक व्यवस्था एकदम से अव्यवस्थित है। यहां लोग पांच तरफ से आते-जाते हैं। आईएसबीटी के पास प्रस्तावित नए फ्लाईओवर के बारे में बात करते हुए पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि इस फ्लाईओवर का उद्देश्य इलाके की ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक करना औ आईएसबीटी के आसपास भीड़ को कम करना है।

फ्लाईओवर आईएसबीटी के ऊपर से गुजरेगा

अधिकारी ने बताया कि नया प्रस्तावित फ्लाईओवर आईएसबीटी के ऊपर से गुजरेगा और मेटकाफ रेड लाइट को पार करते हुए मजनू का टीला के पास उतार देगा। इस फ्लाईओवर के बन जाने से आईएसबीटी के आसपास लोगों को काफी राहत मिल जाएगी। अधिकारी ने बताया कि आईएसबीटी फ्लाईओवर के लिए एक डीपीआर तैयार करने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने बताया कि इसका काम शुरू होने के बाद इसे पूरा होने में करीब दो साल का समय लग सकता है।

मॉनसून ने तो बोल दिया था दिल्ली को बाय-बाय, फिर आई बारिश?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से मॉनसून ने 24 सितंबर को आधिकारिक तौर पर विदाई ले ली थी। लेकिन, क्या वाकई ऐसा हुआ? छह दिन बाद, मंगलवार को शहर में तेज बारिश हुई जिसने लोगों को अचानक चौंका दिया। इतना ही नहीं, मौसम का विश्लेषण करने वालों का मानना ??है कि आने वाले दिनों में और भी बारिश हो सकती है। सफदरजंग स्थित मुख्य मौसम केंद्र ने मंगलवार शाम 5:30 बजे तक 37.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की। यह बारिश अब अक्टूबर महीने के डेटा में गिनी जाएगी। इसके साथ ही, अक्टूबर महीने में होने वाली कुल बारिश अपने मासिक औसत (15.1) को पार कर गई है। तो सवाल यह है कि क्या बरसात का मौसम सचमुच खत्म हो गया है? जब मॉनसून जा चुका है, तो मौसम केंद्रों पर इतनी ज्यादा बारिश क्यों दर्ज की गई है? विशेषज्ञों ने बताया कि मॉनसून के बाद बारिश होना आम बात है, लेकिन मौजूदा मौसम की स्थिति ऐसी है कि दिल्ली में 7 अक्टूबर तक रुक-रुककर बारिश हो सकती है। 2 अक्टूबर को दशहरा के दिन भी बारिश होने की संभावना है। साल 2022 में भी मॉनसून की विदाई 29 सितंबर को हुई थी, लेकिन उसके बाद 9 अक्टूबर को शहर में 74.3 द्वद्व बारिश दर्ज की गई थी। इसी तरह, 2021 में मॉनसून की वापसी के दस दिन बाद, 18 अक्टूबर को 87.9 द्वद्व बारिश मापी गई थी। महेश पालावत ने यह भी बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र भी बन रहा है, जिससे इस सप्ताह के अंत में और बारिश होने की संभावना है।

कम दबाव के क्षेत्र से एक द्रोणिका दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश की ओर जा रही है

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक कृष्णा मिश्रा के अनुसार,कच्छ की खाड़ी के ऊपर एक सुस्पष्ट कम दबाव का क्षेत्रबना हुआ है। इस कम दबाव के क्षेत्र से एक द्रोणिका दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश की ओर जा रही है। इसके अलावा, एक दूसरी द्रोणिका निचले वायुमंडल में इसी कम दबाव के क्षेत्र से उत्तर-पश्चिम राजस्थान तक जा रही है। कृष्णा मिश्रा ने कहा, बारिश का कारण इन्हीं दो द्रोणिकाओं को माना जा सकता है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों से नमी की आपूर्ति कर रही हैं।

फिलीपींस में भूकंप से तबाही, 60 की मौत

मनीला , एजेंसी। दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस में बीती रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यह भूकंप इतना भयानक था कि 60 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हैं। भूकंप की तीव्रता 6.9 मैग्नीट्यूड आंकी गई है। फिलीपींस सरकार के अनुसार, यह इस साल की सबसे बड़ी आपदा है, जिसमें इतनी ज्यादा संख्या में लोगों की जान चली गई।

मंगलवार की रात लगभग 10 बजे केबु शहर के तटों पर भूकंप के तेज झटके लगे, जिसमें कई इमारतें धराशायी हो गईं।

60 लोगों की मौत: सैन रेमिगियो शहर की मेयर अल्फी रेन्स ने भूकंप से हुई तबाही की पुष्टि की है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा बताया कि 60 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से

21 मौतें सिर्फ केबु प्रांत में दर्ज की गई हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, भूकंप के कारण फिलीपींस में इमारत गिरने से लगभग 37 लोग चोटिल हुए हैं। वहीं, फिलीपींस में सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

फिलीपींस सिस्मोलॉजी एजेंसी का कहना था कि, भूकंप से करेंट और समुद्र के जलस्तर में बदलाव हो सकता है। लोगों को समुद्री तटों से दूर रहने के लिए कहा गया था, लेकिन 3 घंटे बाद इस अलर्ट को रद कर दिया गया।

बता दें कि फिलीपींस फैसिफिक रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है। टेकटॉनिक गतिविधियों की वजह से यहां भूकंप आना और ज्वालामुखी फटना आम बात है। इससे पहले भी फिलीपींस में 2 बड़े भूकंप आ चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई है।

तुम मोटी हो... मां बनने के बाद बढ़ गया था पत्नी का वजन

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पति ने अपनी ही पत्नी को इसलिए बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया क्योंकि मां बनने के बाद उसका वजन बढ़ गया था और वह उसे कम नहीं कर पा रही थी। यह मामला बताता है कि कैसे छोटी सी बात भी एक भयानक अपराध को जन्म दे सकती है।

स्कॉटलैंड की रहने वाली 37 साल की जून बनयान और 25 साल के जोनाथन एंथनी रेनटेरिया की मुलाकात अमेरिका में हुई थी। दोनों को एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने शादी कर ली। शादी के बाद जून ने एक प्यारी-सी बेटी को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद जून का वजन काफी बढ़ गया जोकि आम तौर पर कई महिलाओं के साथ होता है लेकिन जून के पति जोनाथन को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई।

बीते 11 सितंबर को दोनों के बीच फिर से झगड़ा हुआ लेकिन इस बार बात इतनी बढ़ गई कि जोनाथन ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। गुस्साए पति ने जून का गला घोंटकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या करने के बाद जोनाथन अपनी मासूम बेटी को साथ लेकर घर से बाहर चला गया। जब जून काफी देर तक नहीं दिखी तो पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने जाँच शुरू की और जोनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया।